



Dristi

10 Sep 2007

07:30 PM

Ayodhya

Model: Varshphal-2017

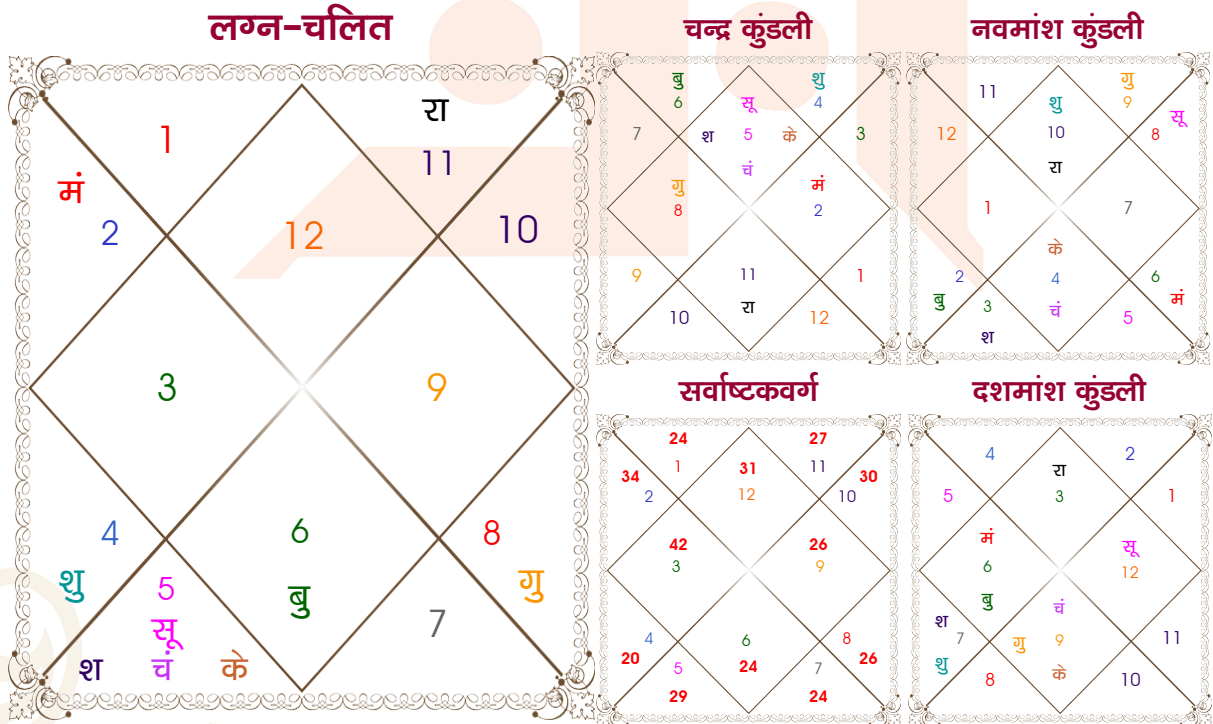
Order No: 119103901

तिथि 10/09/2007 समय 19:30:40 वार सोमवार स्थान Ayodhya चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:00
अक्षांश 26:47:00 उत्तर रेखांश 82:12:00 पूर्व मध्य रेखांश 82:30:00 पूर्व स्थानिक संस्कार -00:01:12 घंटे

पंचांग	अवकहड़ा चक्र
साम्पातिक काल : 18:46:22 घं	गण : राक्षस
वेलान्तर : 00:02:48 घं	योनि : मूषक
सूर्योदय : 05:44:21 घं	नाडी : अन्य
सूर्यास्त : 18:11:52 घं	वर्ण : क्षत्रिय
चैत्रादि संवत : 2064	वश्य : वनचर
शक संवत : 1929	वर्ग : मूषक
मास : भाद्रपद	रैजा : मध्य
पक्ष : कृष्ण	हंसक : अग्नि
तिथि : 15	जन्म नामाक्षर : मे-मेनका
नक्षत्र : मघा	पाया(रा.-न.) : स्वर्ण-रजत
योग : सिद्ध	होरा : बुध
करण : चतुष्पाद	चौघड़िया : चर

विंशोत्तरी	योगिनी
केतु 0वर्ष 3मा 24दि	भद्रिका 0वर्ष 2मा 21दि
शुक्र	संकटा
04/01/2008	01/12/2020
04/01/2028	01/12/2028
शुक्र 05/05/2011	संकटा 12/09/2022
सूर्य 05/05/2012	मंगला 02/12/2022
चन्द्र 03/01/2014	पिंगला 13/05/2023
मंगल 06/03/2015	धान्या 12/01/2024
राहु 05/03/2018	भामरी 01/12/2024
गुरु 03/11/2020	भद्रिका 11/01/2026
शनि 04/01/2024	उल्का 13/05/2027
बुध 04/11/2026	सिद्धा 01/12/2028
केतु 04/01/2028	

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			22:05:56	मीन	रेवती	2	बुध	सूर्य	---	0:00			
सूर्य			23:31:25	सिंह	पूर्वाफाल्गुनी	4	शुक्र	शनि	स्वराशि	1.31	अमात्य	पितृ	सम्पत
चंद्र			12:43:48	सिंह	मघा	4	केतु	बुध	मित्र राशि	1.45	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल			26:45:14	वृष	मृगशिरा	2	मंगल	गुरु	सम राशि	1.20	आत्मा	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध			13:51:10	कन्या	हस्त	2	चंद्र	राहु	उच्च राशि	1.18	पुत्र	ज्ञाति	क्षेम
गुरु			17:44:08	वृश्चि	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध	मित्र राशि	0.91	मातृ	धन	अतिमित्र
शुक्र			22:41:41	कर्क	आश्लेषा	2	बुध	चंद्र	शत्रु राशि	1.29	भ्रातृ	कलत्र	अतिमित्र
शनि			07:02:08	सिंह	मघा	3	केतु	राहु	शत्रु राशि	1.20	कलत्र	आयु	जन्म
राहु			13:08:51	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	बुध	मित्र राशि	---	ज्ञान	साधक	
केतु			13:08:51	सिंह	मघा	4	केतु	बुध	शत्रु राशि	---	मोक्ष	जन्म	



अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियाँ उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृत्तियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रुकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

3

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

._*_._*_._*_._*_._*_._*_._*_._*_._*

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मानसिक चिन्ता तथा अशान्ति भी विद्यमान रहेगी। इस वर्ष में आपका व्यय अधिक होगा तथा अन्यत्र भी हानि की संभावनाएं रहेंगी तथा लाभ अल्प रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति में शिथिलता आएगी जिससे आपको यदा कदा धनाभाव की अनुभूति होगी तथा उससे आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। धर्म के प्रति भी इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृत्तियों की आप उपेक्षा ही करेंगी साथ ही सतमित्रों के सहयोग में भी अल्पता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग के प्रति भी आपके मन में विशेष मधुरता या स्नेह का भाव नहीं रहेगा फलतः इनसे भी आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा यदा कदा आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय उच्चाधिकारी तथा वरिष्ठ नेता आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः उन्नति के मार्ग अवरुद्ध होंगे। व्यापार आदि कार्यों में भी इस वर्ष उन्नति या लाभ नहीं मिलेगा तथा कार्य क्षेत्र में आपको न्यूनता का आभास रहेगा अतः ऐसे समय में किसी नए कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए तथा अपने साझेदार या सहयोगियों से भी सतर्क रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबंधी परेशानी भी हो सकती है अतः ऐसे समय में आपको धैर्य तथा संयम रखकर समय व्यतीत करना चाहिए।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वकी एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा कूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबन्धी कष्ट प्रदान करता है। यथा:-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः ।
कूराच्चतुर्यास्तगतश्च भव्यो न स्याद्भुजं यच्छति वित्तनाशम् ॥

- * - * - * - * - * - * - * - * - * - *

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्य ही रहेगा तथा यदा कदा कष्ट एवं परेशानी को आप प्राप्त करेंगी। मानसिक रूप से भी आप चिंता तथा असन्तुष्टि की अनुभूति कर सकती हैं। मित्र एवं संबंधियों से इस वर्ष में आपके संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सकारात्मक लाभ एवं सहयोग प्राप्त हो सकेगा। साथ ही आप भी उन्हें न्यूनधिक सहयोग भी समय समय पर प्रदान कर सकेंगी। सौभाग्य की इस समय न्यूनता रहेगी फलतः शुभ एवं सांसारिक कार्यों में सफलता अत्यधिक परिश्रम एवं संघर्ष के उपरांत प्राप्त होगी तथा इससे आप को सन्तुष्टि भी नहीं होगी। इसके अतिरिक्त मानसिक संकल्प तथा आशाएं भी अल्प मात्रा में ही पूरी होंगी तथा उनकी पूर्ति के लिए संघर्ष अधिक करना पड़ेगा।

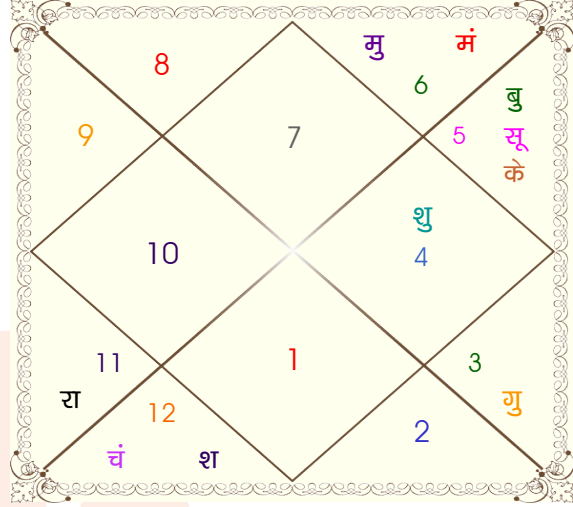
व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्य रहेगा व्यापार में आपको अत्यधिक परिश्रम से ही उन्नति एवं सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी साथ ही लाभमार्ग भी अवरुद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति में यद्यपि आपकी पदोन्नति की संभावनाएं बनेंगी परन्तु विरोधी पक्ष प्रबल होने के कारण इसमें अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न होंगी परन्तु अन्त में आपको इसमें सफलता मिल सकेगी। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में भी न्यूनता रहेगी तथापि यदा कदा अन्य लोग आपके प्रभाव को अवश्य स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी सन्तोषप्रद ही रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण इसमें आपको परेशानी हो सकती है अतः ऐसे समय को आप संयम तथा शान्तिपूर्वक व्यतीत करें तभी सुख शान्ति मिल सकती है।

प्रथम मास

10/09/2025 10:07:02 से 11/10/2025 00:49:09 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	तुला	विशाखा	20:41:10
सूर्य	सिंह	पूर्वाषाढा	23:31:25
चन्द्र	मीन	रेवती	26:23:17
मंगल	कन्या	चित्रा	27:42:30
बुध	सिंह	पूर्वाषाढा	20:31:20
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	25:14:22
शुक्र	कर्क	आश्लेषा	24:25:41
शनि	व मीन	उभाद्रपद	05:08:26
राहु	व कुम्भ	पूर्वाषाढा	24:07:05
केतु	व सिंह	पूर्वाषाढा	24:07:05
मुंथा	कन्या	हस्त	22:05:56

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा। इस समय आप व्यय अधिक मात्रा में करेंगी तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही सामान्य रूप से शारीरिक अस्वस्थता के कारण भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यंत परिश्रम तथा पराक्रम प्रदर्शित करने के बाद भी अल्पमात्रा में ही सफलता अर्जित कर सकेंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धाभाव नहीं रहेगा एवं अन्य प्रकार से भी आपको धन हानि की सम्भावना हो सकती है। इस समय मित्रों एवं सम्बन्धियों के साथ परस्पर सम्बन्धों में तनाव भी हो सकता है। साथ ही नौकरी या व्यापारादि कार्यों में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा शत्रुपक्ष से भी चिन्ता एवं भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी जिससे आप मानसिक रूप से बैचैन या असन्तुष्ट रहेंगी।

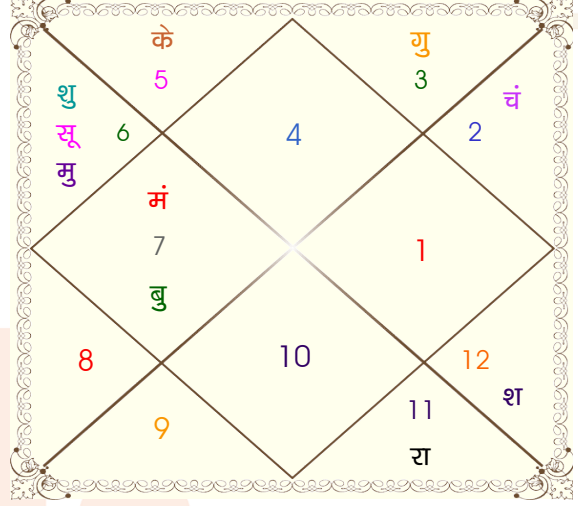
परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। अतः आप पति एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा नवीन वस्त्रों तथा आभूषण आदि से भी आप युक्त हो सकती हैं। अतः आपका यह मास सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

11/10/2025 00:49:09 से 10/11/2025 03:08:43 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कर्क	पुष्य	14:28:37
सूर्य	कन्या	चित्रा	23:31:25
चन्द्र	वृष	रोहिणी	14:29:23
मंगल	तुला	स्वाति	18:22:17
बुध	तुला	स्वाति	11:52:08
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	29:19:25
शुक्र	कन्या	उ०फाल्गुनी	01:57:37
शनि	व मीन	पू०भाद्रपद	02:49:28
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:47:34
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	23:47:34
मुंथा	कन्या	चित्रा	24:35:56

मासाधिपति



मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप उत्तम फलों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा अपने पराक्रम एवं प्रभाव से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगी। इस समय समाज में आपके यश एवं सम्मान में आशातीत वृद्धि होगी जिससे आप मानसिक रूप से अत्यंत ही प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा एवं पूजन का भाव उत्पन्न होगा तथा अन्य जनों की भलाई के लिए भी कार्य करने के लिए तत्पर रहेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं उच्चाधिकारी वर्ग का आप आश्रय प्राप्त करेंगी एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाएंगी। समाज, मित्र तथा बन्धु वर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाइयों से भी आप अनकूल सहयोग एवं सहायता प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप समर्थ रहेंगी।

साथ ही इस मास में अन्यत्र भी शुभ फलों में वृद्धि होगी जिसके प्रभाव से आपके शरीर में स्वस्थता, मन में संतोष तथा बुद्धि में वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ होगा एवं प्रसन्नतापूर्वक आप इसे व्यतीत करेंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

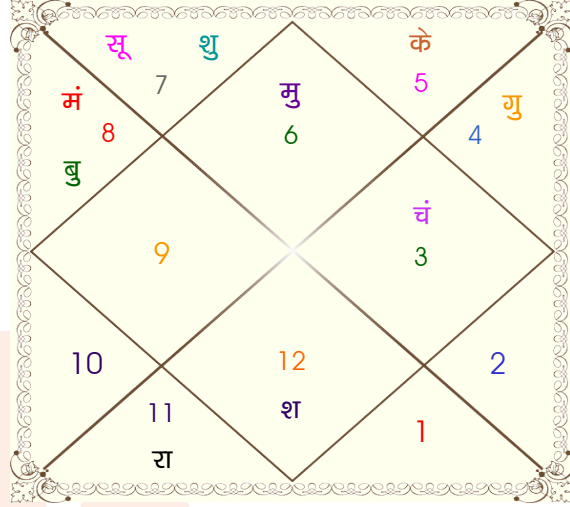


तृतीय मास

10/11/2025 03:08:43 से 09/12/2025 19:26:42 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	हस्त	11:18:54
सूर्य	तुला	विशाखा	23:31:25
चन्द्र	मिथुन	पुनर्वसु	24:11:41
मंगल	वृश्चिक	अनुराधा	09:38:02
बुध	व वृश्चिक	अनुराधा	12:38:31
गुरु	कर्क	पुनर्वसु	00:55:41
शुक्र	तुला	स्वाति	09:29:10
शनि	व मीन	पू०भाद्रपद	01:13:58
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:59:25
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	21:59:25
मुंथा	कन्या	चित्रा	27:05:56

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी तथा मानसिक रूप से भी शान्त रहेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा अपने शत्रुओं का दमन करने में आप सफल रहेंगी एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आय के अन्य स्रोतों से आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करेंगी। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे तथा ऐसे कार्यों की भी सिद्धि होगी जिनकी आप दीर्घ समय से प्रतीक्षा कर रही थीं। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर सम्बन्ध होंगे तथा उनसे पूर्ण मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा भी प्राप्त होगी। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी इस मास सफलता प्राप्त करेंगी राज्य या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः उनसे आप पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा सम्पूर्ण मास प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी। इस समय धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी। इसके अतिरिक्त समाज एवं समाजिक जनों में आपकी प्रतिष्ठा रहेगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

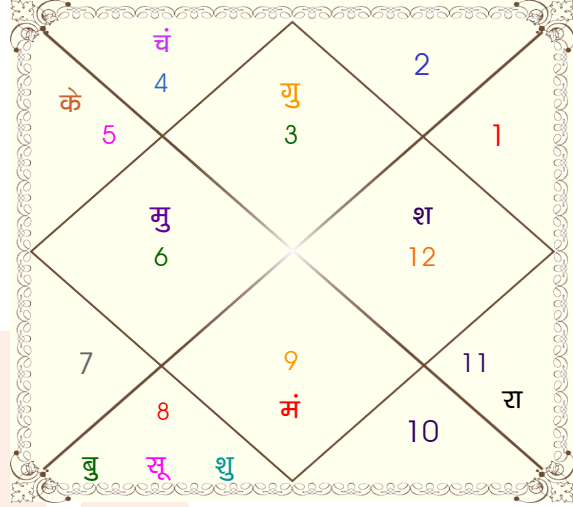


चतुर्थ मास

09/12/2025 19:26:42 से 08/01/2026 06:33:53 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मिथुन	पुनर्वसु	25:48:44
सूर्य	वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:31:25
चन्द्र	कर्क	आश्लेषा	26:07:02
मंगल	धनु	मूल	01:28:12
बुध	वृश्चिक	विशाखा	03:00:01
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	29:39:50
शुक्र	वृश्चिक	ज्येष्ठा	16:46:10
शनि	मीन	पूर्वाभाद्रपद	01:03:15
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	18:52:33
केतु	व सिंह	पूर्वाफाल्गुनी	18:52:33
मुंथा	कन्या	चित्रा	29:35:56

मासाधिपति



मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभाशुभ फल प्राप्त करेंगी। इससे आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक दुर्बलता की भी आप अनुभूति करेंगी। साथ ही दुश्मनों से भी आप चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी जिससे मानसिक रूप से चिन्तित एवं अशान्त होंगी। इस समय पारिवारिक जनों से संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा परस्पर मन मुटाव अधिक मात्रा में रहेगा। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय मन्दी आएगी तथा स्थान परिवर्तन के योग भी बन सकते हैं। साथ ही किसी कारण वश आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से आपके मधुर संबंध अल्प ही रहेंगे तथा विवाद अधिक मात्रा में सम्पन्न होंगे जिससे समाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग अथवा अन्य प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा अपनी तीव्र बुद्धि से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगी। धर्मानुपालन में भी आपकी रुचि रहेगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

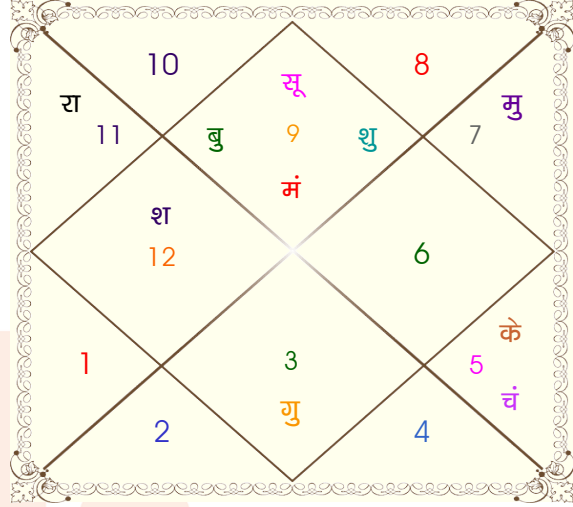


पंचम् मास

08/01/2026 06:33:53 से 06/02/2026 18:35:21 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	धनु	पूर्वाषाढा	18:11:27
सूर्य	धनु	पूर्वाषाढा	23:31:25
चन्द्र	सिंह	पूर्वाषाढा	23:31:25
मंगल	धनु	पूर्वाषाढा	23:52:51
बुध	धनु	पूर्वाषाढा	15:19:28
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	26:11:54
शुक्र	धनु	पूर्वाषाढा	23:50:50
शनि	मीन	पूर्वाषाढा	02:23:36
राहु	कुम्भ	शतभिषा	16:03:51
केतु	सिंह	पूर्वाषाढा	16:03:51
मुंथा	तुला	चित्रा	02:05:56

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय सौभाग्य से आप युक्त रहेंगी एवं पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगी। आपका स्वास्थ्य इस समय उत्तम रहेगा तथा मन में भी पूर्ण शान्ति रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आप रुचिशील रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्रों तथा बन्धुजनों से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनके मध्य आप उचित सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी तथा उनका पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगी। इस मास में आप वांछित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगी जिससे प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी अपूर्ण मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको अपेक्षित सहयोग भी मिलता रहेगा। आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा उचित धन लाभ एवं सुखार्जन करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का आयोजन भी कर सकती हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

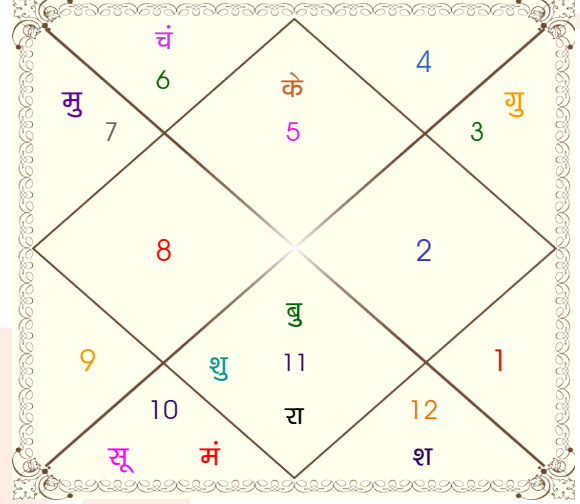


षष्ठ मास

06/02/2026 18:35:21 से 08/03/2026 13:23:30 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	सिंह	मघा	04:54:37
सूर्य	मकर	धनिष्ठा	23:31:25
चन्द्र	कन्या	हस्त	20:19:16
मंगल	मकर	श्रवण	16:50:59
बुध	कुम्भ	धनिष्ठा	05:03:55
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	22:33:07
शुक्र	कुम्भ	धनिष्ठा	00:54:32
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	04:58:41
राहु	कुम्भ	शतभिषा	14:51:46
केतु	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:51:46
मुंथा	तुला	चित्रा	04:35:56

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

इस महीने में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी तथापि न्यूनाधिक अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करेंगी तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही समाज में आपके यश एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस समय दूसरे लोगों की भलाई के कार्यों को करने में भी आप तत्पर रहेंगी परन्तु शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाने में समर्थ रहेगी। आपके मित्रों तथा बन्धुजनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे जिससे आप हृदय से प्रसन्न रहेंगी।

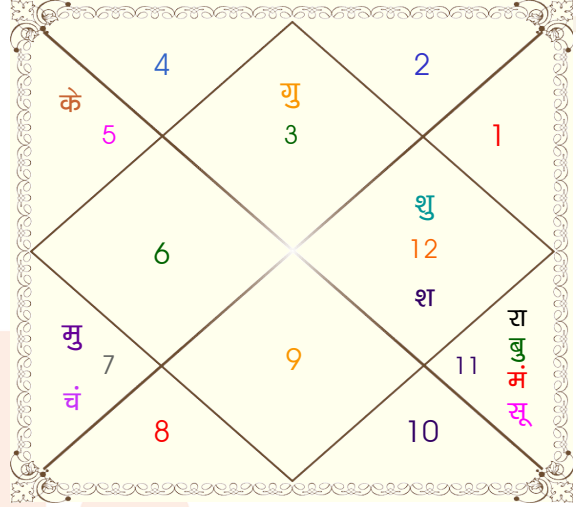
साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ आप यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त करेंगी। अतः आप गर्मी या पित्त दोष के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से रुधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

सप्तम् मास

08/03/2026 13:23:30 से 07/04/2026 19:12:45 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मिथुन	पुनर्वसु	22:55:16
सूर्य	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:31:25
चन्द्र	तुला	स्वाति	19:55:57
मंगल	कुम्भ	शतभिषा	10:17:37
बुध	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:46:25
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	20:52:33
शुक्र	मीन	उ०भाद्रपद	08:06:53
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	08:23:02
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	14:42:05
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	14:42:05
मुंथा	तुला	स्वाति	07:05:56

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा। अतः शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप बुद्धिमता से सम्पन्न करने में सफल रहेंगी साथ ही पुत्र से आप सुख प्राप्त करेंगी एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। समाज में भी आपकी प्रभुता में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं आपको हार्दिक मान सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा किसी शुभ समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं निष्ठा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय एवं सहयोग प्राप्त करेंगी फलतः समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त रहेंगी तथा प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

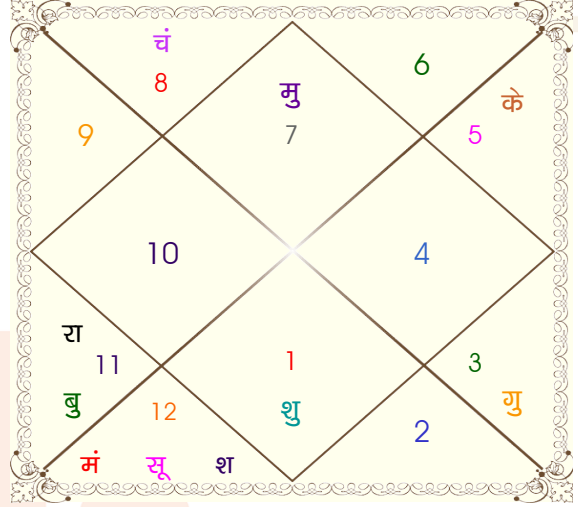
साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों या ठंड से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपकी समाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके साथ ही आग के द्वारा किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास

07/04/2026 19:12:45 से 08/05/2026 13:29:47 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	तुला	चित्रा	05:43:34
सूर्य	मीन	रेवती	23:31:25
चन्द्र	वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:43:05
मंगल	मीन	उ०भाद्रपद	04:01:29
बुध	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:04:19
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	22:02:40
शुक्र	मेष	भरणी	15:29:36
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	12:08:11
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	13:56:30
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	13:56:30
मुंथा	तुला	स्वाति	09:35:56

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शारीरिक रूप से सामान्यतया स्वस्थ रहेंगी तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। आपके आय स्त्रोंतो में इस समय उन्नति होगी फलतः आर्थिक स्थिति सुदृढ रहेगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष दुर्बल रहेगा एवं आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेगा। इस समय आप अपने उच्चाधिकारी वर्ग से सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगी। अपने प्रमुख कार्य के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोंतो से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस मास में समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान प्रदान करेंगे। आपके सौभाग्य में भी इस समय वृद्धि होगी तथा कई विलम्बित महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगी तथा प्रसन्नता पूर्वक समय को व्यतीत करेंगी।

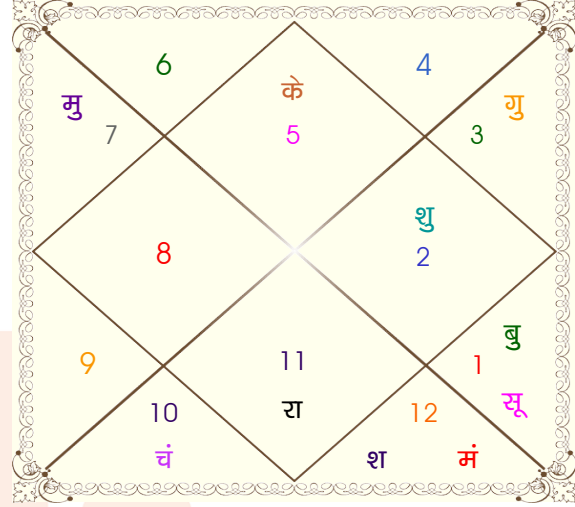
साथ ही इस मास में शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी होंगे। अतः आप यदा कदा गर्मी या पितदोष से उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय किसी किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त अग्नि के कारण भी कोई हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए तथा शारीरिक सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए।

नवम् मास

08/05/2026 13:29:47 से 08/06/2026 18:19:16 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	सिंह	पूर्वाषाढा	16:26:30
सूर्य	मेष	भरणी	23:31:25
चन्द्र	मकर	उत्तराषाढा	06:02:50
मंगल	मीन	रेवती	27:44:50
बुध	मेष	भरणी	16:12:02
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	25:45:43
शुक्र	वृष	रोहिणी	22:55:04
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	15:43:41
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	11:38:23
केतु	व सिंह	मघा	11:38:23
मुंथा	तुला	स्वाति	12:05:56

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

इस महीने में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करेंगी तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में भी समर्थ रहेंगी। सामाजिक जनों से इस मास में आपको पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा मिलेगी एवं सभी लोग आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। इसके साथ ही दूसरे लोगों के परोपकार संबंधी कार्य भी आपके द्वारा सम्पन्न होंगे। लेकिन शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफलता प्राप्त करेंगी। आपके बन्धु एवं मित्रों से इस समय मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी इच्छाएं भी इस समय में पूर्ण होंगी तथा भाग्योदय संबंधी कार्य भी सम्पन्न होगा।

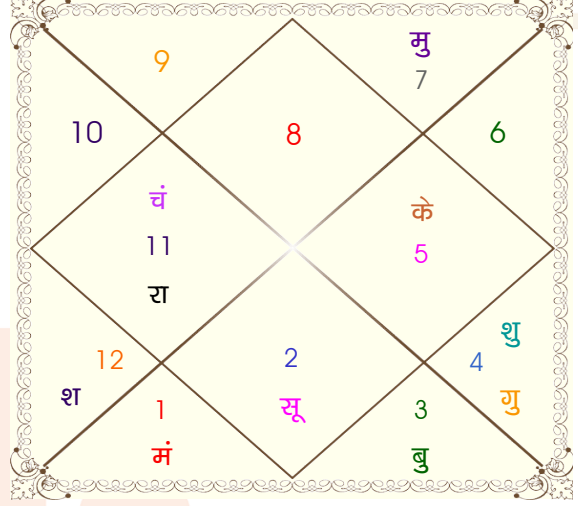
साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे। अतः आप शीत से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप न्यूनाधिक मात्रा में हानि प्राप्त कर सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

दशम् मास

08/06/2026 18:19:16 से 10/07/2026 04:44:35 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृश्चिक	ज्येष्ठा	16:56:01
सूर्य	वृष	मृगशिरा	23:31:25
चन्द्र	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:56:10
मंगल	मेष	भरणी	21:05:23
बुध	मिथुन	आर्द्रा	16:30:56
गुरु	कर्क	पुनर्वसु	01:17:35
शुक्र	कर्क	पुनर्वसु	00:01:47
शनि	मीन	रेवती	18:37:06
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	08:41:43
केतु	व सिंह	मघा	08:41:43
मुंथा	तुला	स्वाति	14:35:56

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर रहेंगी। साथ ही आप दुष्ट जनों की संगति प्राप्त करेंगी जिससे आपको कष्ट होंगे। आपका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी तथा मन से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आप उपेक्षा का भाव रखेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना बनी रहेगी। इस समय बन्धु एवं मित्रों से आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे। साथ ही जिस कार्य को इस मास में प्रारम्भ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। इस प्रकार यह समय आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक ही रहेगा।

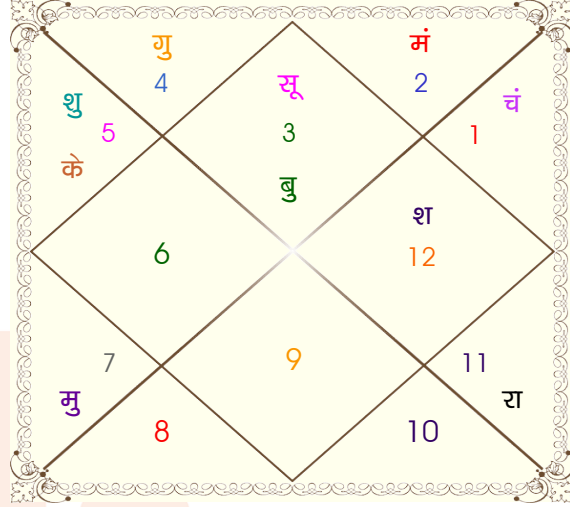
साथ ही इस मास में यदाकदा शुभ फलों की भी आपको प्राप्ति होगी। अतः आप पति एवं पुत्र से सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा इनसे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस मास में आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी प्राप्त करने में सफल हो सकती हैं।

एकादश मास

10/07/2026 04:44:35 से 10/08/2026 14:09:26 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मिथुन	आर्द्रा	16:01:10
सूर्य	मिथुन	पुनर्वसु	23:31:25
चन्द्र	मेष	भरणी	21:32:34
मंगल	वृष	रोहिणी	13:39:51
बुध	व मिथुन	पुनर्वसु	28:26:31
गुरु	कर्क	पुष्य	07:52:18
शुक्र	सिंह	मघा	06:02:35
शनि	मीन	रेवती	20:16:42
राहु	व कुम्भ	धनिष्ठा	06:27:00
केतु	व सिंह	मघा	06:27:00
मुंथा	तुला	स्वाति	17:05:56

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

इस महीने में आप शुभ फलों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग भी प्राप्त करेंगी। साथ ही द्रव्य पदार्थों को अर्जित करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज के सभी वर्गों में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा एवं लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। साथ ही आपके शुभ कार्य भी इस मास में पूर्ण होंगे तथा कहीं से आपको शुभ समाचार भी प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आप श्रद्धालु रहेंगी एवं निष्ठा पूर्वक उनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा समाज में आपकी पूर्ण प्रतिष्ठा रहेगी एवं आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

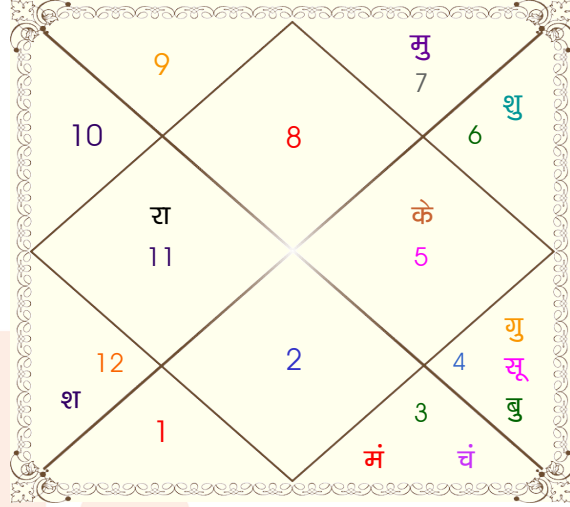
साथ ही इस मास में आप पति से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी एवं अपनी तीव्र बुद्धि से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखों को प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त धार्मिक कार्यों में भी आप रुचि शील रहेंगी तथा अपने सत्कार्यों से समाज में सर्वत्र प्रतिष्ठा एवं सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास

10/08/2026 14:09:26 से 10/09/2026 16:16:17 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृश्चिक	अनुराधा	16:28:05
सूर्य	कर्क	आश्लेषा	23:31:25
चन्द्र	मिथुन	पुनर्वसु	21:03:06
मंगल	मिथुन	मृगशिरा	05:06:33
बुध	कर्क	पुष्य	06:50:48
गुरु	कर्क	पुष्य	14:47:52
शुक्र	कन्या	उ०फाल्गुनी	09:19:44
शनि	व मीन	रेवती	20:20:22
राहु	व कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:55
केतु	व सिंह	मघा	05:35:55
मुंथा	तुला	स्वाति	19:35:56

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप समान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त होगी जिससे आप मानसिक रूप से अशांत तथा असन्तुष्ट रहेंगी। साथ ही धनाभाव से भी आप दुःखी रहेंगी। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में कठिन परिश्रम के उपरान्त भी असफलता ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राह्मणों के प्रति उपेक्षा का ही भाव रखेंगी। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से अच्छे सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव रहेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। इसके अतिरिक्त शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं आपकी इच्छाएं इस समय पूर्ण नहीं होंगी।

साथ ही इस मास में आप वातोत्पन्न रोगों से दुःखी रहेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके साथ ही आग के द्वारा भी हानि की सम्भावना रहेगी। अतः सोच समझ कर सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

